केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ किया

भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना से अब राजभाषा विभाग एक सम्पूर्ण विभाग बन गया है

प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त कराने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा

यह अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए, सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा

स्थानीय भाषाओं को ताकत देकर ही हम भारत को विश्व में गौरवमयी स्थान पर पहुंचा सकते हैं

भारतीय भाषाएं, संस्कृति की और भारतीय संस्कृति भारत की आत्मा है

सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदना को कम किए बिना टेक्नोलॉजी का उपयोग हो

प्रविष्टि तिथि: 06 JUN 2025 5:24PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और सचिव, राजभाषा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना के साथ ही राजभाषा विभाग एक सम्पूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त कराने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सोचने, विश्लेषण करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया जब हमारी मातृभाषा में होती है तभी हमारी पोटेंशियल का भरपूर दोहन संभव है। श्री शाह ने कहा कि देश की सभी स्थानीय भाषाओं को ताकत देकर ही हम भारत को उसके चिरातन गौरवमयी स्थान पर पहुंचा सकते हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारी हर भाषा दूसरी भाषा के साथ पूर्णता के साथ जुड़ी है और सभी भाषाओं का विकास एक-दूसरे के बिना संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सभी भाषा रूपी नदियां मिलकर भारतीय संस्कृति की गंगा बनती है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं, हमारी संस्कृति की और हमारी संस्कृति भारत की

आत्मा हैं। श्री शाह ने कहा कि भारतीय भाषा अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए, सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदना को कम किए बिना टेक्नोलॉजी का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम भाषा के माध्यम से अंग्रेज़ी को हम पर थोपने की लड़ाई को ज़रूर जीतेंगे।

*****

आरके / आरआर / पीआर

(रिलीज़ आईडी: 2134581)
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Assamese , Gujarati , Tamil